पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (WBBSE)

कक्षा 9 हिंदी

अध्याय 27

रवीन्द्रनाथ ठाकुर

प्रश्न बैंक

birlaeducation.org

अध्याय-वार प्रश्न बैंक

बिरला एजुकेशन

अध्याय 27: रवीन्द्रनाथ ठाकुर

कविगुरु और मानवता के पुजारी का जीवन परिचय

जीवन की प्रमुख घटनाएँ

समय	घटना
7 मई 1861	कोलकाता के जोड़ासाँकू में जन्म। पिता देवेन्द्रनाथ ठाकुर, माता शारदा देवी। वे अपने माता-पिता की तेरह संतानों में सबसे छोटे थे।
8 वर्ष की आयु	कविता लिखना शुरू किया।
16 वर्ष की आयु	भानुसिंह नाम से पहली कविताएँ पत्रिकाओं में छपीं।
17 वर्ष की आयु	कानून पढ़ने इंग्लैंड गए, कुछ ही महीनों में लौट आए।
1901	शांतिनिकेतन में विद्यालय की स्थापना।
1910	गीतांजलि का प्रकाशन।
1913	गीतांजलि पर साहित्य का नोबेल पुरस्कार। साहित्य का नोबेल पुरस्कार पाने वाले पहले एशियाई और पहले गैर-यूरोपीय बने।
1915	ब्रिटिश सरकार ने नाइटहुड की उपाधि दी।
1919	जलियाँवाला बाग हत्याकांड के विरोध में नाइटहुड लौटाया। वायसराय चेम्सफोर्ड को पत्र लिखकर विरोध दर्ज किया।
1921	विश्वभारती विश्वविद्यालय की स्थापना।
7 अगस्त 1941	कोलकाता में निधन।

birlaeducation.org

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ), 12 प्रश्न

सही विकल्प को गहरे (बोल्ड) अक्षरों में दिखाया गया है।

1. रवीन्द्रनाथ ठाकुर अपने माता-पिता की कितनी संतानों में सबसे छोटे थे? अतिरिक्त

(क) दस संतानों में

(ख) ग्यारह संतानों में

(ग) बारह संतानों में

(घ) तेरह संतानों में

उत्तर: तेरह संतानों में सबसे छोटे थे।

---

2. ठाकुर की प्रारंभिक पढ़ाई मुख्य रूप से कहाँ हुई? अतिरिक्त

(क) गाँव के स्कूल में

(ख) घर पर

(ग) इंग्लैंड में

(घ) शांतिनिकेतन में

उत्तर: घर पर। उन्हें स्कूल की पढ़ाई अच्छी नहीं लगती थी, इसलिए उनकी पढ़ाई घर पर ही हुई।

---

3. 'सर्वतोमुखी' शब्द का अर्थ क्या है? अतिरिक्त

(क) केवल एक कला में निपुण

(ख) हर ओर फैली हुई प्रतिभा वाला

(ग) केवल कविता लिखने वाला

(घ) केवल चित्र बनाने वाला

hindieducation.org

उत्तर: हर ओर फैली हुई प्रतिभा वाला।

---

4. 'आडम्बर' शब्द का अर्थ क्या है? अतिरिक्त

(क) सादगी

(ख) दिखावा

(ग) प्रेम

(घ) प्रकाश

उत्तर: दिखावा।

---

5. ठाकुर के निधन के समय उनकी आयु लगभग कितनी थी? अतिरिक्त

(क) 70 वर्ष

(ख) 75 वर्ष

(ग) 80 वर्ष

(घ) 85 वर्ष

उत्तर: 80 वर्ष। उनका जन्म 1861 में और निधन 1941 में हुआ।

---

6. ठाकुर किस भक्तकवि के विचारों से गहरे प्रभावित थे? अतिरिक्त

(क) तुलसीदास

(ख) सूरदास

(ग) चण्डीदास

(घ) मीराबाई

उत्तर: चण्डीदास। चण्डीदास ने कहा था कि मनुष्य से ऊपर कुछ नहीं है।

---

7. ठाकुर ने जलियाँवाला बाग हत्याकांड के विरोध में अपना विरोध पत्र लिखकर किसे दर्ज किया? अतिरिक्त

(क) वायसराय चेम्सफोर्ड को

(ख) वायसराय माउंटबेटन को

(ग) वायसराय कर्जन को

(घ) वायसराय इरविन को

उत्तर: वायसराय चेम्सफोर्ड को।

---

8. ठाकुर के गीत किस नाम से प्रसिद्ध हैं? अतिरिक्त

(क) भजन संगीत

(ख) रवीन्द्र संगीत

(ग) लोक संगीत

(घ) शास्त्रीय संगीत

उत्तर: रवीन्द्र संगीत।

birlaeducation.org

---

9. ठाकुर ने लगभग कितने गीतों की रचना की? अतिरिक्त

(क) लगभग पाँच सौ

(ख) लगभग एक हजार

(ग) दो हजार से अधिक

(घ) लगभग दस हजार

उत्तर: दो हजार से अधिक गीतों की रचना की।

---

10. ठाकुर की चित्रकला के बारे में सही बात क्या है? अतिरिक्त

(क) उन्होंने चित्रकला की औपचारिक शिक्षा ली थी

(ख) उन्होंने बिना किसी औपचारिक शिक्षा के चित्र बनाए

(ग) उन्होंने जीवन भर चित्र नहीं बनाए

(घ) उनके चित्र केवल कोलकाता में रखे हैं

उत्तर: उन्होंने बिना किसी औपचारिक शिक्षा के चित्र बनाए, फिर भी उनके चित्र संसार की बड़ी-बड़ी आर्ट गैलरियों में रखे गए।

---

11. 'शाश्वत' शब्द का अर्थ क्या है? अतिरिक्त

(क) जो कुछ समय तक रहे

(ख) जो हमेशा से है, कभी न मिटने वाला

(ग) जो नया हो

(घ) जो छिपा हो

उत्तर: जो हमेशा से है, कभी न मिटने वाला।

---

12. ठाकुर के अनुसार आत्मसंयम उनके लिए क्या था? अतिरिक्त

(क) संसार से पलायन

(ख) तपस्या

(ग) आडम्बर

(घ) समारोहपूर्वक पूजा

उत्तर: तपस्या। आत्मसंयम ही उनके लिए तपस्या था और वह सांसारिक कर्मों से पलायन नहीं था।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (VSA), 10 प्रश्न

उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए।

1. 'खिताब' शब्द का अर्थ लिखिए। अतिरिक्त

उत्तर: सम्मान, उपाधि।

birlaeducation.org

---

2. 'सौहार्द' शब्द का अर्थ लिखिए। अतिरिक्त

उत्तर: प्रेम, मेलजोल।

---

3. 'एकत्व' शब्द का अर्थ लिखिए। अतिरिक्त

उत्तर: एक होने की भावना।

---

4. देवेन्द्रनाथ ठाकुर किस समाज के नेता थे? अतिरिक्त

उत्तर: देवेन्द्रनाथ ठाकुर ब्रह्म समाज के नेता थे।

---

5. ठाकुर की कविताओं की पंक्ति-पंक्ति में क्या भरा हुआ है? अतिरिक्त

उत्तर: उनकी कविताओं की पंक्ति-पंक्ति में संगीत भरा है।

---

6. ठाकुर ने जीवन के अंतिम वर्षों में कौन सी कला प्रारंभ की? अतिरिक्त

उत्तर: ठाकुर ने जीवन के अंतिम वर्षों में चित्रकला प्रारंभ की।

---

7. ठाकुर के चित्र कहाँ रखे गए हैं? अतिरिक्त

उत्तर: उनके चित्र संसार की बड़ी-बड़ी आर्ट गैलरियों में रखे गए हैं।

8. तिलक की गिरफ्तारी के समय ठाकुर ने क्या किया? अतिरिक्त

उत्तर: उन्होंने सरकार की दमन-नीति के विरुद्ध आवाज उठाई और तिलक के बचाव के लिए धन इकट्ठा करने में अपना योगदान दिया।

9. प्राचीन अंधविश्वासों के बारे में ठाकुर का क्या कहना था? अतिरिक्त

उत्तर: उनका कहना था कि प्राचीन अंधविश्वास हमारे दिल-दिमाग को नहीं छूते, उन्हें बदलना होगा।

10. ठाकुर के दर्शन में समन्वय पाने वाली किन्हीं दो धाराओं के नाम लिखिए। अतिरिक्त

उत्तर: वेदान्त और वैष्णववाद। उनकी काव्यधारा में बौद्धदर्शन, सूफी मत, बाऊल सम्प्रदाय और ईसाई धर्म का समन्वय भी मिलता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न (SA), 10 प्रश्न

उत्तर 3 से 5 पंक्तियों में लिखिए।

birlaeducation.org

1. ठाकुर को स्कूल की पढ़ाई अच्छी क्यों नहीं लगती थी? उनकी पढ़ाई कैसे हुई? अतिरिक्त

उत्तर: ठाकुर को स्कूल की बँधी हुई पढ़ाई अच्छी नहीं लगती थी। उनकी अपनी पढ़ाई भी घर पर ही हुई थी। वे खुले वातावरण और स्वतंत्रता से सीखने में विश्वास रखते थे। यही अनुभव आगे चलकर उनकी शिक्षा संबंधी विचारधारा की नींव बना।

2. ठाकुर के परिवार का संक्षिप्त परिचय दीजिए। अतिरिक्त

उत्तर: ठाकुर का जन्म कोलकाता के जोड़ासाँकू में एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ था। उनके पिता देवेन्द्रनाथ ठाकुर ब्रह्म समाज के नेता थे और माता शारदा देवी थीं। वे अपने माता-पिता की तेरह संतानों में सबसे छोटे थे।

3. ठाकुर के अनुसार मनुष्य और ईश्वर के बीच प्रेम का सेतु क्या है? समझाइए। अतिरिक्त

उत्तर: ठाकुर के अनुसार असीम ईश्वर और ससीम मानव में कोई भेद नहीं है। मानव और ईश्वर के बीच प्रेम का सेतु है। ईश्वर मानव की आत्मा में ही निवास करता है, इसलिए मानव से प्रेम करना ही ईश्वर से प्रेम करना है।

4. चण्डीदास की पंक्ति 'सबार ऊपरे मानुष सत्य' ने ठाकुर को कैसे प्रभावित किया? अतिरिक्त

उत्तर: भक्तकवि चण्डीदास ने कहा था कि मनुष्य से ऊपर कुछ नहीं है। ठाकुर इस विचार से गहरे प्रभावित थे। उन्होंने मानव को ही सबसे बड़ा सत्य माना और मानव को ईश्वर का अंश समझा। यही विचार उनके मानवतावाद की नींव बना।

5. शांतिनिकेतन में बच्चे किस वातावरण में पढ़ते थे? ठाकुर की शिक्षा दृष्टि लिखिए। अतिरिक्त

उत्तर: शांतिनिकेतन में बच्चे पेड़ों के नीचे बैठकर, प्रकृति के बीच पढ़ते थे। ठाकुर मानते थे कि शिक्षा प्रकृति के बीच, खुले वातावरण में और स्वतंत्रता से होनी चाहिए। शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं होनी चाहिए।

---

6. ठाकुर को 'मानवता के पुजारी' क्यों कहा जाता है? अतिरिक्त

उत्तर: ठाकुर को मानवता के पुजारी इसलिए कहा जाता है क्योंकि वे मानव को ईश्वर का अंश मानते थे और मानव से प्रेम को ही ईश्वर से प्रेम मानते थे। उनके मन में किसी भी जाति या सम्प्रदाय के लिए घृणा का भाव न था और वे सबको अपनाने का संदेश देते थे।

---

7. ठाकुर के अनुसार आत्मसंयम ही तपस्या क्यों है? अतिरिक्त

उत्तर: ठाकुर के अनुसार आत्मसंयम ही तपस्या है और वह सांसारिक कर्मों से पलायन नहीं है। उनके लिए सामाजिक उद्देश्य और आध्यात्मिक जीवन में कोई टकराहट नहीं थी। मन को वश में करके प्रेम और सेवा में लगना ही सच्ची तपस्या है।

---

8. ठाकुर का मानना था कि मुसलमानों और अंग्रेजों का भारत के इतिहास में क्या स्थान है? अतिरिक्त

उत्तर: ठाकुर मानते थे कि मुसलमानों का भी भारत के इतिहास में स्थान है और अंग्रेज भी हमारे इतिहास के अंग हैं। उनके मन में किसी भी जाति या सम्प्रदाय के लिए घृणा का भाव न था। वे सबको अपनाकर एकता का संदेश देते थे।

---

9. ठाकुर के गीतों में प्रकृति, प्रेम और मानवता का समन्वय कैसे दिखता है? अतिरिक्त

उत्तर: ठाकुर के गीतों में प्रकृति, प्रेम और मानवता का सुंदर समन्वय है। उनके लगभग दो हजार से अधिक गीत रवीन्द्र संगीत के नाम से प्रसिद्ध हैं। उनके गीतों में प्रकृति सजीव लगती है, प्रेम की भावना है और मानवता का संदेश है। भारत का राष्ट्रगान जन गण मन भी उन्हीं का गीत है।

biharieducation.org

---

10. ठाकुर के अनुसार सच्चे धर्म और दिखावे के धर्म में क्या अंतर है? अतिरिक्त

उत्तर: ठाकुर के अनुसार सच्चा धर्म आडम्बर या समारोहपूर्वक पूजा-पाठ में नहीं है। सच्चा धर्म आत्मिक शुद्धि, प्रेम और मानवता की सेवा में है। अहंकार के लोप से ही ईश्वर की प्राप्ति हो सकती है। दिखावे का धर्म भ्रम है, प्रेम का धर्म ही सच्चा धर्म है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (LAQ), 8 प्रश्न

उत्तर विस्तार से लिखिए।

1. रवीन्द्रनाथ ठाकुर के जीवन की प्रमुख घटनाओं का कालक्रम लिखिए। अतिरिक्त

उत्तर: ठाकुर का जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता के जोड़ासाँकू में हुआ था। वे अपने माता-पिता की तेरह संतानों में सबसे छोटे थे। आठ वर्ष की आयु में उन्होंने कविता लिखना शुरू किया और सोलह वर्ष की आयु में उनकी कविताएँ भानुसिंह नाम से पत्रिकाओं में छपने लगीं। सत्रह वर्ष की आयु में वे कानून पढ़ने इंग्लैंड गए, पर कुछ ही महीनों बाद लौट आए। सन् 1901 में उन्होंने शांतिनिकेतन में विद्यालय खोला। सन् 1910 में गीतांजलि का प्रकाशन हुआ और सन् 1913 में गीतांजलि पर उन्हें साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला। वे यह पुरस्कार पाने वाले पहले गैर-यूरोपीय बने। सन् 1915 में उन्हें नाइटहुड मिला, जिसे

उन्होंने सन् 1919 में जलियाँवाला बाग हत्याकांड के विरोध में लौटा दिया। सन् 1921 में शांतिनिकेतन का विद्यालय विश्वभारती विश्वविद्यालय बना। 7 अगस्त 1941 को कोलकाता में उनका निधन हो गया।

---

2. नोबेल पुरस्कार मिलने के बाद ठाकुर के जीवन और भारतीय साहित्य की स्थिति में क्या बदलाव आया? अतिरिक्त

उत्तर: सन् 1913 में गीतांजलि पर नोबेल पुरस्कार मिलने से ठाकुर संसार भर में प्रसिद्ध हो गए। गीतांजलि के अंग्रेजी अनुवाद ने यूरोप और अमेरिका के पाठकों को उनकी कविता से परिचित कराया। इस पुरस्कार से भारतीय साहित्य को संसार भर में पहचान मिली और यह सिद्ध हो गया कि भारतीय साहित्य भी संसार के महान साहित्य के बराबर है। इसके बाद ठाकुर भारतीय संस्कृति के सबसे बड़े प्रतिनिधि माने जाने लगे। उनकी रचनाओं का अनुवाद संसार की अनेक भाषाओं में हुआ और वे भारत की आवाज बनकर संसार के सामने आए।

---

3. 'जन गण मन' और 'अमार सोनार बांग्ला' के रचयिता के रूप में ठाकुर का योगदान लिखिए। अतिरिक्त

उत्तर: ठाकुर ही ऐसे कवि हैं जिनकी रचनाएँ दो देशों के राष्ट्रगान बनीं। भारत का राष्ट्रगान जन गण मन और बांग्लादेश का राष्ट्रगान अमार सोनार बांग्ला, दोनों उनकी रचनाएँ हैं। जन गण मन में देश की एकता और सबको साथ लेकर चलने का भाव है। अमार सोनार बांग्ला में अपनी मातृभूमि के प्रति गहरा प्रेम है। सन् 1905 में बंगाल विभाजन के समय उन्होंने देशप्रेम से भरे गीतों की रचना करके लोगों में चेतना जगाई थी। इन दोनों गीतों से ठाकुर का राष्ट्रप्रेम और मानवता का संदेश आज भी हर देशवासी तक पहुँचता है।

---

4. ठाकुर के साहित्य में प्रकृति का चित्रण कीजिए। अतिरिक्त

birlaeducation.org

उत्तर: ठाकुर के लिए प्रकृति सजीव है और उसमें भी वही ईश्वर व्याप्त है जो मानव की आत्मा में बसता है। उनके लिए यह संसार विविध, सुन्दर और नवीन है। उनके गीतों में प्रकृति, प्रेम और मानवता का सुंदर समन्वय मिलता है। शांतिनिकेतन में उन्होंने शिक्षा को भी प्रकृति के बीच रखा, जहाँ बच्चे पेड़ों के नीचे बैठकर पढ़ते थे। उनकी कविताओं में प्रकृति केवल पृष्ठभूमि नहीं है, वह मानव के सुख दुख में साथ खड़ी रहती है। प्रकृति के प्रति यह प्रेम ही उनके दर्शन में ईश्वर, मानव और प्रकृति के एक होने का भाव देता है।

---

5. ठाकुर एक कवि के साथ-साथ समाज सुधारक भी थे, विवेचना कीजिए। अतिरिक्त

उत्तर: ठाकुर केवल कवि और साहित्यकार नहीं थे, वे समाज सुधारक भी थे। उन्होंने अंधविश्वासों का विरोध किया और कहा कि प्राचीन अंधविश्वास हमारे दिल-दिमाग को नहीं छूते, उन्हें बदलना होगा। उन्होंने धर्म के नाम पर आडम्बर और समारोहपूर्वक पूजा-पाठ के भ्रम से बचने का संदेश दिया। उनके मन में किसी भी जाति या सम्प्रदाय के लिए घृणा का भाव न था। उन्होंने अंग्रेजों की 'फूट डालो और शासन करो' की नीति का विरोध किया और कहा कि जहाँ अलगाव की भावना सर्वोपरि है, वहाँ अंधकार का राज्य है। शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने शांतिनिकेतन के द्वारा प्रकृति के बीच स्वतंत्र शिक्षा का नया मार्ग दिखाया। इस प्रकार उनका साहित्य और उनका जीवन, दोनों समाज को सुधारने का काम करते थे।

---

6. गोरा, घर बाइरे और डाकघर का संक्षिप्त परिचय दीजिए। अतिरिक्त

उत्तर: गोरा ठाकुर का प्रसिद्ध उपन्यास है। इसमें भारतीय समाज, धर्म और राष्ट्र के सवालों पर गहरा चिंतन है। घर बाइरे भी उनका प्रसिद्ध उपन्यास है, जिसमें घर और बाहर की दुनिया के बीच स्त्री के मन की उलझन और स्वतंत्रता की खोज दिखाई गई

है। डाकघर उनका प्रसिद्ध नाटक है, जिसमें एक बीमार बालक अमल की कल्पना और स्वतंत्रता की चाहत का मार्मिक चित्रण है। ये तीनों रचनाएँ दिखाती हैं कि ठाकुर केवल कवि नहीं थे, वे उपन्यास और नाटक में भी उतने ही बड़े रचनाकार थे।

---

7. ठाकुर के मानवतावाद की आज के समय में क्या प्रासंगिकता है? अतिरिक्त

उत्तर: ठाकुर का मानवतावाद आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उनके समय में था। उनका कहना था कि मानव से प्रेम करना ही ईश्वर से प्रेम करना है और मनुष्य से ऊपर कुछ नहीं है। आज जब संसार में जाति, सम्प्रदाय और देश के नाम पर अलगाव बढ़ रहा है, तो ठाकुर का संदेश याद दिलाता है कि जहाँ अलगाव की भावना सर्वोपरि है, वहाँ अंधकार का राज्य है। वे राजनीति में हिंसा के विरोधी थे और उनका कहना था कि सभ्यता हिंसा में जीवित नहीं रह सकती। आज की दुनिया में प्रेम, सहिष्णुता और एकता का उनका संदेश ही मानवता को विनाश से बचा सकता है। इसलिए ठाकुर का मानवतावाद आज भी हमें रास्ता दिखाता है।

---

8. ठाकुर के व्याख्यानों और यात्राओं ने भारतीय दर्शन को विश्व में कैसे पहुँचाया? अतिरिक्त

उत्तर: ठाकुर का दर्शन-ज्ञान अपूर्व था। भारतीय दर्शन पर उनके व्याख्यान सुनकर यूरोप और अमेरिका के लोग भी दंग रह जाते थे। नोबेल पुरस्कार के बाद उनकी यात्राओं और व्याख्यानों से संसार के लोग भारतीय वेदान्त, वैष्णववाद और मानवतावाद से परिचित हुए। उनकी काव्यधारा में वेदान्त, वैष्णववाद, बौद्धदर्शन, सूफी मत, बाऊल सम्प्रदाय और ईसाई धर्म का समन्वय मिलता है। उन्होंने अपने मानवतावादी ईश्वरवाद का प्रतिपादन अपनी पुस्तक 'द रिलिजन ऑफ मैन' में विस्तार से किया। इस प्रकार ठाकुर भारतीय संस्कृति के सबसे बड़े प्रतिनिधि बनकर संसार के सामने आए और भारतीय दर्शन को विश्व मंच पर पहुँचाया।

birlaeducation.org